vinetur

मोसेल के उत्पादकों को 2026 में 6.10 लाख हेक्टोलिटर की फसल की उम्मीद, दशक के औसत से 18% कम

बारिश-रहित सितंबर ने रोगों का दबाव सीमित रखा और मोसेल में अब तक की सबसे जल्दी हुई अंगूर तुड़ाई के दौरान फलों की गुणवत्ता बेहतर रही

मंगलवार, 10 नवंबर 2026



जर्मनी के मोसेल क्षेत्र के वाइन उत्पादकों को गर्म और शुष्क मौसम के बाद 2026 की फसल छोटी रहने की उम्मीद है। हालांकि, उत्पादकों ने अंगूरों की अच्छी गुणवत्ता और असामान्य रूप से सुचारु तुड़ाई की बात कही। मंगलवार को क्षेत्रीय वाइन संघ Moselwein e.V. ने बताया कि मोसेल, सार और रूवर क्षेत्रों के मौजूदा अनुमानों के मुताबिक उत्पादन लगभग 610,000 हेक्टोलिटर रहेगा। यह 2025 के 743,000 हेक्टोलिटर से कम और पिछले 10 वर्षों के औसत से करीब 18% नीचे है।

संघ ने डेटज़ेम में अपनी शरदकालीन प्रेस वार्ता के बाद यह आकलन जारी किया। उसने बताया कि उत्पादकों ने 2026 की तुड़ाई को अच्छी तरह प्रबंधित और कुछ मामलों में “आरामदायक” बताया। बारिश-रहित सितंबर से रोगों का दबाव कम रहा और अंगूर के बागों में व्यापक छंटाई की जरूरत भी घट गई।

अंतिम उत्पादन का आंकड़ा वसंत तक पता नहीं चलेगा, जब सभी वाइनरी और उत्पादक अपनी आधिकारिक फसल

घोषणाएं जमा कर देंगे। फिलहाल यह अनुमान क्षेत्र के हालिया औसत उत्पादन, यानी करीब 700,000 हेक्टोलिटर, से कम है। 2024 की फसल इससे काफी छोटी थी और 450,000 हेक्टोलिटर रही थी।

Moselwein e.V. ने बताया कि 2026 में क्षेत्र में अंगूर तोड़ने का काम दर्ज इतिहास में सबसे जल्दी शुरू हुआ। अगस्त के अंत तक उत्पादक न केवल Federweisser के लिए अंगूर तोड़ रहे थे—यह आंशिक रूप से किण्वित नई वाइन है, जिसे मौसम की शुरुआत में बेचा जाता है—बल्कि स्पार्कलिंग और स्टिल वाइन बनाने के लिए भी तुड़ाई शुरू हो चुकी थी। अक्टूबर की शुरुआत तक अधिकांश फसल समेट ली गई थी।

फसल छोटी रहने की मुख्य वजह 2026 की वसंत और गर्मियों में बारिश की कमी और ऊंचा तापमान था। युवा बेलें सबसे अधिक प्रभावित हुईं और कुछ अंगूर के बागों में सिंचाई करनी पड़ी। पुरानी बेलों ने शुष्क परिस्थितियों का बेहतर सामना किया और संघ के अनुसार, उनसे ज्यादातर छोटे लेकिन बेहद सुगंधित अंगूर मिले। इसी शुष्क मौसम का एक स्पष्ट लाभ भी हुआ : फफूंदजनित रोग सीमित रहे, जिससे फलों की सेहत बनी रही और तुड़ाई के दौरान श्रम की जरूरत कम हुई।

क्षेत्र में सबसे अधिक उगाई जाने वाली किस्म अब भी Riesling है, जिसका मोसेल क्षेत्र में कुल रोपण का 62% हिस्सा है। मोसेल वाइन उत्पादक संघ के अनुमान के मुताबिक, 2026 में Riesling की औसत पैदावार करीब 75 हेक्टोलिटर प्रति हेक्टेयर रही। Pinot किस्मों की पैदावार 60 से 70 हेक्टोलिटर प्रति हेक्टेयर आंकी गई, जबकि Mueller-Thurgau का औसत करीब 90 और Elbling का करीब 100 हेक्टोलिटर प्रति हेक्टेयर रहा।

संघ के अनुसार, 2026 में मोसेल क्षेत्र में उत्पादनरत अंगूर के बागों का कुल रकबा करीब 8,136 हेक्टेयर था और औसत पैदावार 75 हेक्टोलिटर प्रति हेक्टेयर रही। इस आंकड़े में नए रोपण और युवा बाग शामिल नहीं हैं। युवा बेलों समेत कुल रोपित रकबा 2025 के अंत में 8,283 हेक्टेयर था।

Moselwein e.V. के अध्यक्ष Henning Seibert ने कहा कि गर्मियों में रिकॉर्ड गर्मी और सूखे से गुणवत्ता को नुकसान पहुंचने की आशंकाएं सही साबित नहीं हुईं। उन्होंने कहा कि 2026 का विंटेज अपनी उच्च गुणवत्ता के लिए याद रखा जाना चाहिए और उपभोक्ता भरपूर स्वाद वाली, संतुलित वाइन की उम्मीद कर सकते हैं।

पेय उद्योग के लिए कम उत्पादन का असर अंगूर के बागों से आगे तक जाता है। मोसेल दुनिया के सबसे प्रसिद्ध Riesling क्षेत्रों में से एक है और छोटी फसल से कुछ स्टिल और स्पार्कलिंग वाइन कार्यक्रमों के लिए उपलब्धता घट सकती है, भंडार की योजना प्रभावित हो सकती है और आने वाले महीनों में कीमतों पर बातचीत का रुख तय हो सकता है—भले ही विंटेज की गुणवत्ता मजबूत बनी रहे।